



www.championsbooks.shop

परिचय : सिकंदर महान की मृत्यु (323 ई.पू.) के बाद उसका विशाल साम्राज्य उसके सेनापतियों में बंट गया। इन नए राज्यों में यूनानी सभ्यता और पूर्वी परंपराओं के मेल से जो नई संस्कृति विकसित हुई, उसे हेलेनिस्टिक संस्कृति कहते हैं। यह संस्कृति लगभग 323 ई.पू. से 30 ई.पू. तक विकसित होती रही।

मुख्य विशेषताएँ

- ★ यूनानी और पूर्वी सभ्यताओं का समन्वय।
- ★ नगरों का विकास, व्यापार और वाणिज्य की उन्नति।
- ★ विज्ञान, कला, साहित्य और दर्शन का उत्कर्ष।
- ★ व्यक्ति की स्वतंत्रता और मानव-केन्द्रित दृष्टिकोण।
- ★ बहुभाषिक और बहुसांस्कृतिक समाज का निर्माण।
- ★ यूनानी भाषा का व्यापक प्रसार (कोइने ग्रीक)।



प्रमुख हेलेनिस्टिक राज्य

राज्य	क्षेत्र	मुख्य शासक
पटोलेमी साम्राज्य	मिन्न	पटोलेमी प्रथम, पटोलेमी द्वितीय
सेल्युकस साम्राज्य	सीरिया, बैबीलोन, फारस	सेल्युकस निकेटर, एंटीओकस
एंटीगोनिस साम्राज्य	मकदूनिया और ग्रीस	एंटीगोनस
एपिरस का राज्य	यूनान का पश्चिमी भाग	पायारस

हेलेनिस्टिक संस्कृति की प्रमुख उपलब्धियाँ

विज्ञान	चिकित्सा	साहित्य	कला और मूर्तिकला	स्थापत्य
यूक्लिड, आर्किमिडीज ने गणित और भौतिकी में महत्वपूर्ण कार्य किए।	हिप्पोक्रेटीस के सिद्धांतों को आगे बढ़ाया गया। शरीर रचना का अध्ययन हुआ।	नए प्रकार का साहित्य, कविता और नाटक लिखे गए। थेओक्रिटस ने 'पास्चरल कविता' लिखी।	यथार्थवाद और भावों की अभिव्यक्ति पर बल। 'लाओकोन समूह' प्रसिद्ध है।	भव्य भवन, पुस्तकालय, स्तंभ और रंगमंच बने।

हेलेनिस्टिक संस्कृति के प्रसिद्ध केन्द्र

अलेक्जान्द्रिया (मिन्न)	एंटीओक (सीरिया)	पर्गमन (एशिया माइनर)	एफेसस (एशिया माइनर)
पटोलेमी द्वितीय ने बसाया। महान पुस्तकालय और संग्रहालय (म्यूजियम) यहाँ थे।	सेल्युकस निकेटर ने बसाया। यह व्यापार और संस्कृति का बड़ा केन्द्र था।	ज्ञान और कला का प्रसिद्ध केन्द्र। यहाँ का पुस्तकालय प्रसिद्ध था।	व्यापारिक नगर और आर्टेमिस का मंदिर यहाँ प्रसिद्ध था।

सामाजिक विशेषताएँ

- नगरों में विभिन्न जातियों और भाषाओं के लोग रहते थे।
- व्यापारियों और मध्यवर्ग का महत्व बढ़ा।
- शिक्षा का प्रसार हुआ, विद्यालय और पुस्तकालय बने।
- महिलाओं की स्थिति में कुछ सुधार हुआ।
- खेलकूद, संगीत और उत्सव जनजीवन का हिस्सा बने।



पतन के कारण

- लगातार युद्धों और शासकों की आपसी प्रतिद्वंद्विता।
- रोम के बढ़ते प्रभाव और विजय।
- राजनीतिक आस्थिरता और प्रशासनिक कमजोरियों।
- आर्थिक शोषण और करों का बोझ।
- 30 ई.पू. तक यह संस्कृति रोमन साम्राज्य में खमा गई।



दीर्घकालिक प्रभाव

- यूनानी भाषा, विज्ञान, दर्शन और कला का प्रभाव यूरोप और एशिया में फैला।
- रोमन संस्कृति पर गहरा प्रभाव पड़ा।
- आधुनिक पश्चिमी सभ्यता की नींव रखने में सहायक रही।
- मानववाद (Humanism) की भावना को बल मिला।



नोट : हेलेनिस्टिक संस्कृति ने पूर्व और पश्चिम को जोड़ा और मानव सभ्यता के इतिहास में ज्ञान, कला और विज्ञान के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

